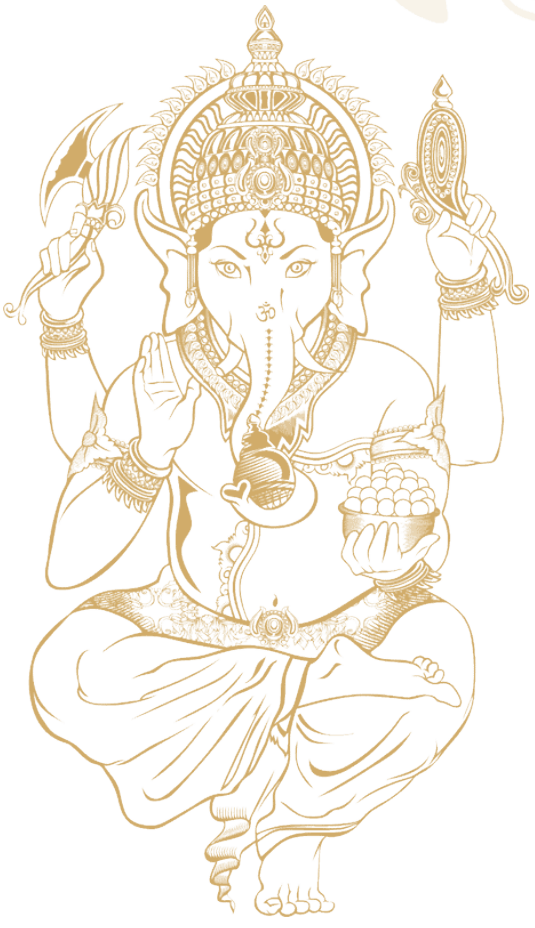

Sandeep

20 Oct 1976

04:25 AM

Hamirpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121173205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/10/1976**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:25:00 घंटे**
इष्ट	54:48:15 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:02 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:32 घंटे
सूर्योदय	06:29:42 घंटे
सूर्यास्त	17:47:08 घंटे
दिनमान	11:17:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:08:40 तुला
लग्न के अंश	05:30:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:30:21	310:30:57	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			तुला	03:08:40	00:59:40	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	17:56:34	14:18:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	14:01:54	00:41:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	20:51:51	01:40:29	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		वृष	06:10:57	00:05:42	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	05:31:38	01:13:09	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि			कर्क	21:58:34	00:04:04	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	10:01:49	00:00:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	10:01:49	00:00:36	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	13:16:05	00:03:43	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप			वृश्चि	18:32:04	00:01:43	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	18:39:03	00:02:17	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:26:31	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:07

लग्न-चलित

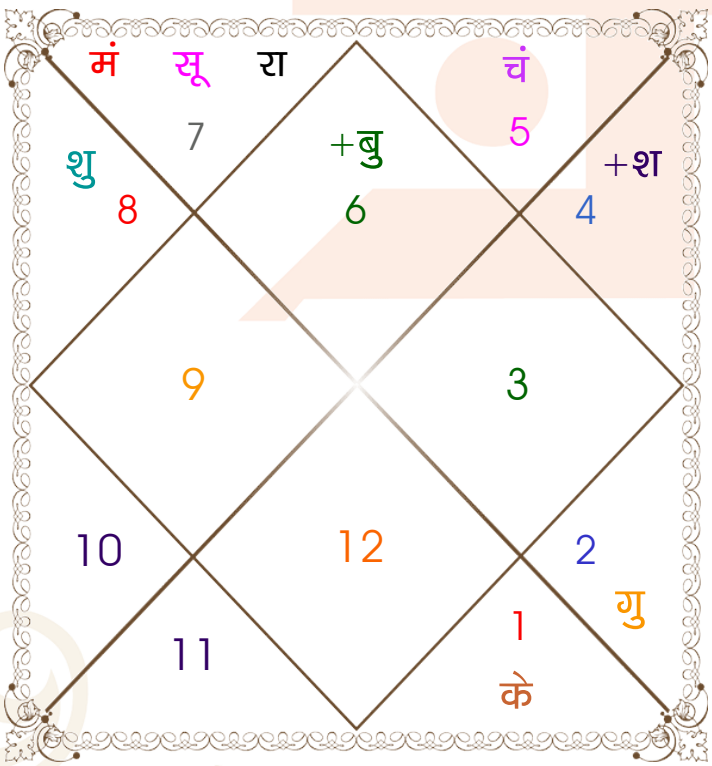

चन्द्र कुंडली

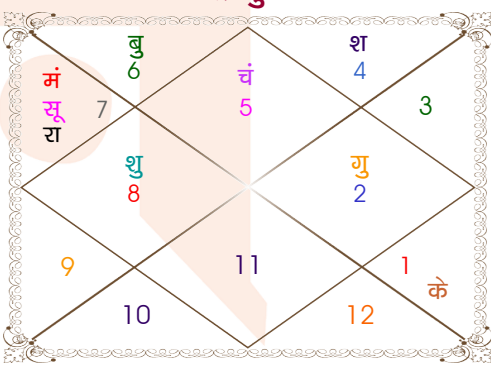

नवमांश कुंडली

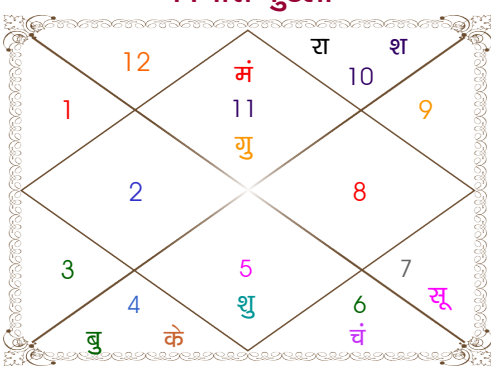

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 1 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/10/1976		20/11/1989		21/11/1995		20/11/2005		20/11/2012	
20/11/1989		21/11/1995		20/11/2005		20/11/2012		21/11/2030	
	00/00/0000	सूर्य	10/03/1990	चंद्र	20/09/1996	मंगल	18/04/2006	राहु	03/08/2015
	00/00/0000	चंद्र	08/09/1990	मंगल	21/04/1997	राहु	07/05/2007	गुरु	27/12/2017
	20/10/1976	मंगल	14/01/1991	राहु	21/10/1998	गुरु	12/04/2008	शनि	02/11/2020
मंगल	20/01/1977	राहु	09/12/1991	गुरु	20/02/2000	शनि	22/05/2009	बुध	22/05/2023
राहु	21/01/1980	गुरु	26/09/1992	शनि	20/09/2001	बुध	19/05/2010	केतु	09/06/2024
गुरु	21/09/1982	शनि	08/09/1993	बुध	20/02/2003	केतु	15/10/2010	शुक्र	09/06/2027
शनि	20/11/1985	बुध	16/07/1994	केतु	21/09/2003	शुक्र	15/12/2011	सूर्य	03/05/2028
बुध	20/09/1988	केतु	21/11/1994	शुक्र	22/05/2005	सूर्य	21/04/2012	चंद्र	02/11/2029
केतु	20/11/1989	शुक्र	21/11/1995	सूर्य	20/11/2005	चंद्र	20/11/2012	मंगल	21/11/2030

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/11/2030		21/11/2046		20/11/2065		21/11/2082		20/11/2089	
21/11/2046		20/11/2065		21/11/2082		20/11/2089		00/00/0000	
गुरु	08/01/2033	शनि	23/11/2049	बुध	18/04/2068	केतु	19/04/2083	शुक्र	22/03/2093
शनि	22/07/2035	बुध	02/08/2052	केतु	15/04/2069	शुक्र	18/06/2084	सूर्य	22/03/2094
बुध	27/10/2037	केतु	11/09/2053	शुक्र	14/02/2072	सूर्य	24/10/2084	चंद्र	21/11/2095
केतु	03/10/2038	शुक्र	11/11/2056	सूर्य	20/12/2072	चंद्र	25/05/2085	मंगल	20/10/2096
शुक्र	03/06/2041	सूर्य	24/10/2057	चंद्र	22/05/2074	मंगल	21/10/2085		00/00/0000
सूर्य	22/03/2042	चंद्र	25/05/2059	मंगल	19/05/2075	राहु	08/11/2086		00/00/0000
चंद्र	22/07/2043	मंगल	03/07/2060	राहु	05/12/2077	गुरु	15/10/2087		00/00/0000
मंगल	27/06/2044	राहु	10/05/2063	गुरु	12/03/2080	शनि	23/11/2088		00/00/0000
राहु	21/11/2046	गुरु	20/11/2065	शनि	21/11/2082	बुध	20/11/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 0 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।